आकाशवाणी शिमला
07.10.2023 / प्रादेशिक समाचार बुलेटिन / 1800बजे /

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश सरकार हिमाचल को शिक्षा के क्षेत्र में देश का अव्वल राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण बदलाव लागू कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। वे आज शिमला ज़िले के शोघी में 11 करोड़ रुपये की लागत से बने विज्ञान अध्ययन व सृजन केन्द्र का लोकार्पण करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शत प्रतिशत वित्त पोषित विज्ञान अध्ययन व सृजन केन्द्र विज्ञान शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रांति लाने के साथ–साथ विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने कहा कि केन्द्र में एक आधुनिक तारामंडल का संचालन वर्ष 2024 के अंत तक पूरा हो जाएगा जो खगोलीय शिक्षा को प्रोत्साहित करने में मददगार साहिब होगा। उन्होंने केंद्र में प्रदर्शित प्रदर्शनियों का गहराई से अवलोकन करते हुए कहा कि यह केन्द्र प्रदेश में नवीन विचारों और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्र की आधिकारिक वेबसाइट भी जारी की।

मुख्यमंत्री–1

मुख्यमंत्री ने विज्ञान प्रश्नोत्तरी व चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में इस केंद्र को खोलने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केंद्र युवाओं की वैज्ञानिक प्रतिभा को पोषित करने और विज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कुलदीप पठानिया

घाना की राजधानी अक्रा के कन्वेशन सैंटर में आयोजित 66वां राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन कल सम्पन्न हो गया। इस सम्मेलन में राष्ट्रमण्डल में शामिल सभी देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत की सभी राज्य विधान सभाओं के पीठासीन अधिकारियों ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया। प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने सम्मेलन में "लिंग कोटा – अंत का एक साधन" विषय पर अपना सम्बोधन दिया और अक्रा कन्वेशन सेंटर में आयोजित सी0 पी0 ए0 महासभा की बैठक में भी भाग लिया। उन्होंने रिपब्लिक ऑफ घाना के राष्ट्रपति नाना आडो दानिका अकूफो से शिष्टाचार भेंट की और पार्लियामेंट ऑफ घाना के अध्यक्ष अलबन किंग्सफोर्ड सुमाना बेगबिन के साथ मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की । इस दौरान पठानियां ने हिमाचल प्रदेश विधान सभा की ई–विधान प्रणाली, ई– निर्वाचन प्रबन्धन और विधानसभा की कार्यप्रणाली व क्रिया–कलापों बारे में गहन चर्चा की। पठानियां ने कहा कि यह सम्मेलन एक ज्ञानवर्धक सम्मेलन रहा और इस तरह के सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्बन्धों को मजबूती प्रदान करते हैं जिससे विश्व में शांति व एकता का मार्ग प्रशस्त होता हैं। सम्मेलन के बाद विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां आगामी दौरे के लिए स्पेन व स्विटजरलैंड देशों के प्रवास पर रहेंगे। वे स्पेन की राजधानी मैड्रिड, बार्सिलोना और स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर ल्यूर्सन तथा ज्यूरिख के अध्ययन प्रवास पर रहेंगे।

जगत सिंह

राजस्व बागवानी व जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज किन्नौर जिला के पूह विकासखंड की रिब्बा पंचायत में 40 लाख रूपए की लागत से बने स्वर्ग नारायण मंदिर का उदघाटन किया।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रिब्बा–कंडा सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा ताकि क्षेत्र के लोगों को नकदी फसलें मंडी तक पहुंचाने में समय और लागत की बचत हो सके। उन्होंने कहा कि रिब्बा पंचायत घर को एक आदर्श पंचायत घर बनाया जा रहा है जो पूरे प्रदेश के लिए उदाहरण बन कर उभरेगा। जगत सिंह नेगी ने कहा कि पिछले दिनों आपदा से हुए नुकसान को देखते हुए राहत और पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अनेक फैसले लिए गए है, जिनमें प्रभावित लोगों को भूमि और मकान बनाने के लिए मुआवजा राशि उपलब्ध करवाना शामिल है। उन्होंने बताया कि आपदा से जिन भेड़ पालकों की भेड़ों को नुकसान हुआ है उन के लिए सरकार द्वारा मुआवजा राशि को बढ़ाकर 6 हजार रूपए, जबकि डंगों के नुकसान की मुआवजा राशि को बढ़ाकर एक लाख रूपए किया गया है।

लखनपाल

विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने आज नागरिक अस्पताल बड़सर में स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में मॉडल अस्पताल खोलने जा रही है और बड़सर में भी 100 बिस्तर की क्षमता वाले आधुनिक अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंन स्वास्थ्य अधिकारियों को क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी मैडिकल कैंप लगाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए ताकि लोगों को घर–द्वार पर ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर इंद्रदत्त लखनपाल ने पोषण अभियान के तहत आंगनबाड़ी कर्मचारियों द्वारा लगाई गई। पारंपरिक व पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कार्यशाला

चौधरी सरवन कुमार कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में आज रबी फसलों पर राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति डा. डी.के.वत्स ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक का समय पर उपयोग करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, ड्रोन प्रौद्योगिकी, फसल विविधीकरण पर काम कर रहा है। उन्होंने समय, संसाधन बचाने और कठिन परिश्रम को कम करने के लिए कृषि मशीनीकरण के महत्व को रेखांकित किया। कुलपति ने राज्य में कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि भूमि में कमी और कम बारिश के बावजूद, देश ने रिकॉर्ड 3 सौ 30 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन किया है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसल किस्मों से सभी प्रमुख फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई है लेकिन यह राष्ट्रीय औसत के बराबर नहीं है। विश्वविद्यालय के संविधिक अधिकारियों, वैज्ञानिकों, उप निदेशकों राज्य कृषि विभाग के अन्य अधिकारियों और कुल्लू के बीर चंद, बिलासपुर के ब्रह्म दास और हमीरपुर के पुरषोतम सिंह जैसे लगभग एक दर्जन प्रगतिशील किसानों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

बैठक

रामपुर में 11 से 14 नवंबर तक आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय लवी मेले के उपलक्ष्य में आज शिमला में उपायुक्त आदित्य नेगी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला पीजी कॉलेज रामपुर के मैदान में आयोजित किया जाएगा जबकि मेले की सांस्कृतिक संध्या पदम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में करवाई जाएगी। आदित्य नेगी ने बताया कि 11 नवबंर को लवी मेले का शुभारंभ राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल करेंगे। बैठक में मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

.....